

511/20

बकुलाउ उपा.  
बहाल अफसर को तपस्य बहाल है। किन्तु जायज है।  
पञ्चमवली दिनांक 14/12/20 को पेश की।

14/12/20

बकुलाउ उपा.  
बहाल अफसर पर बकुलाउ की पुकी जाके।  
इसकी पञ्चमवली से जबाब अफसर को जतरत  
से अद्यपि किन्तु बहाल पर नजर किन्तु  
जायज। बहाल पर पञ्चमवली का मूल गड जा  
डिमी किन्तु जा लुप्त है।  
नगर आम्बरी निषेधात्मक बहाल जाके  
विरुद्ध अफसरों द्वारा आशय से जारी की जाके  
है कि सार्वजनिक बलाहत परवाज हलका  
बलाहत से सिर्फ कृषि श्रुति ख-नं 553  
हमारे 15 बीघा किन्तु नाराही अबल है  
मूल गड के निर्देश गड उभय पक्षकाराग  
मार्फत की गई जाके किन्तु है परिवर्तित नहीं  
करे, परन्तु आम्बरी निषेधात्मक से सैन्य  
जानत पावक किन्तु जायज है। पञ्चमवली केवल  
शुमार होना नमूना है मूल है। गड नमूनील  
जायज दारिद्र्य दकलत लेश्या। अडलत नमूना  
है।

